1. सीबीएसई प्रोफाइल जानकारी

बोर्ड ने वर्ष 1929 से वर्तमान स्थिति तक काफी विकास किया है (जिसे तब 'राजपूताना हाई स्कूल और इंटरमीडिएट शिक्षा बोर्ड' के रूप में जाना जाता था)। वर्ष 1952 में, बोर्ड को इसका वर्तमान नाम 'केंद्रीय माध्यमिक शिक्षा बोर्ड' दिया गया। अंततः वर्ष 1962 में बोर्ड का पुनर्गठन किया गया। बोर्ड के मुख्य उद्देश्य थे शैक्षिक संस्थानों की अधिक प्रभावी सेवा करना और उन छात्रों की शैक्षिक आवश्यकताओं के प्रति उत्तरदायी होना जिनके माता-पिता केंद्र सरकार में कार्यरत थे और जिनकी नौकरी अक्सर स्थानांतरित होती थी।

बोर्ड ने वर्षों में तेजी से विकास किया है और इसका वर्तमान क्षेत्राधिकार राष्ट्रीय भूगोलिक सीमाओं से परे है। 1962 में 309 स्कूलों से, बोर्ड के पास 28.06.2024 तक भारत में 29340 स्कूल और 25 विदेशी देशों में 257 स्कूल हैं। इनमें 1247 केंद्रीय विद्यालय, 5280 सरकारी/अनुदानित स्कूल, 22408 स्वतंत्र स्कूल, 648 जवाहर नवोदय विद्यालय और 14 केंद्रीय तिब्बती स्कूल शामिल हैं।

बोर्ड ने अपनी गतिविधियों को प्रभावी ढंग से निष्पादित करने के लिए देश के विभिन्न हिस्सों में क्षेत्रीय कार्यालय स्थापित किए हैं ताकि संबद्ध स्कूलों के प्रति अधिक उत्तरदायी हो सके। बोर्ड के 18 क्षेत्रीय कार्यालय और सीओई हैं, जो अजमेर, बेंगलुरु, भोपाल, भुवनेश्वर, चंडीगढ़, चेन्नई, देहरादून, दिल्ली (पूर्व), दिल्ली (पश्चिम), दुबई (यूएई), गुवाहाटी, नोएडा, पंचकुला, पटना, प्रयागराज, पुणे, तिरुवनंतपुरम और विजयवाड़ा में स्थित हैं।

सीबीएसई मुख्यालय लगातार क्षेत्रीय कार्यालयों की गतिविधियों की निगरानी करता है। हालांकि, पर्याप्त शक्तियां क्षेत्रीय कार्यालयों को सौंपी गई हैं, लेकिन नीति मामलों से संबंधित मुद्दे, मुख्यालय को भेजे जाते हैं। दैनिक प्रशासन, स्कूलों के साथ समन्वय, परीक्षा पूर्व और परीक्षा पश्चात व्यवस्थाओं से संबंधित मामले सभी संबंधित क्षेत्रीय कार्यालयों द्वारा निपटाए जाते हैं।

2. दृष्टि और मिशन

सीबीएसई एक सशक्त, जीवंत और समग्र स्कूल शिक्षा की कल्पना करता है जो मानव प्रयास के हर क्षेत्र में उत्कृष्टता उत्पन्न कर सके। बोर्ड गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है ताकि अपने शिक्षार्थियों के बीच बौद्धिक, सामाजिक और सांस्कृतिक जीवंतता को बढ़ावा मिल सके। यह एक ऐसा सीखने की प्रक्रिया और वातावरण विकसित करने की दिशा में काम करता है, जो भविष्य के नागरिकों को उभरते ज्ञान समाज में वैश्विक नेता बनने के लिए सशक्त बनाता है। बोर्ड एक तनावमुक्त सीखने के वातावरण की वकालत करता है और इसे प्रदान करने का संकल्प लेता है, जो सक्षम, आत्मविश्वासी और उद्यमी नागरिकों को विकसित कर सके जो सद्भाव और शांति को बढ़ावा दें।

सीबीएसई छात्रों के शारीरिक, भावनात्मक, सामाजिक और बौद्धिक कल्याण के लिए सीखने की सुविधा प्रदान करने का उद्देश्य रखता है। देश में एक अग्रणी राष्ट्रीय स्कूल शिक्षा बोर्ड के रूप में, सीबीएसई हमेशा गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने के लिए एक उत्कृष्टता केंद्र बनने की आकांक्षा रखता है और निरंतर राष्ट्रीय और वैश्विक आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए शैक्षिक मानकों पर काम करता है, स्कूलों का संबद्ध करने और कक्षाओं X और XII की परीक्षाएं आयोजित करने के साथ-साथ समय-समय पर सौंपे गए अन्य परीक्षाएं आयोजित करता है।

बोर्ड निम्नलिखित पर ध्यान केंद्रित करता है:

- शिक्षण-सीखने की पद्धतियों में नवाचार, छात्र अनुकूल और छात्र केंद्रित प्रतिमानों को विकसित करके।
- परीक्षाओं और मूल्यांकन प्रथाओं में सुधार।
- कौशल सीखना, नौकरी-उन्मुख और नौकरी-संबंधित इनपुट जोड़कर।
- सेवा प्रशिक्षण कार्यक्रमों, कार्यशालाओं आदि का आयोजन करके शिक्षकों और प्रशासकों के शिक्षण कौशल को नियमित रूप से अपडेट करना।